३. गायन

३.१ बालगीत

पशु–पक्षी

बिल्ली और चूहे में हो गई दोस्ती ।
कभी ना छूटेगी, उनकी दोस्ती।।१।।
चूहा और बिल्ली गए घूमने
लाये मीठे फल साथ अपने।।२।।
चिड़िया आई, गिलहरी आई
पूरी मंडली इकट्ठी हो गई।।३।।
फलों को देख लगे मचलने
लिया तरबूजा सबने खाने।।४।।
फल खाकर मजा आया सबको
सभी खुशी से गए घर को।।५।।

◆ बालगीत लय–ताल में कहलवाएँ।

३.२ समूह गीत

आओ पेड़ लगाएँ हम।
परिसर स्वच्छ बनाएँ हम ।
मधुबन हम खिलाएँगे।
सफाई का महत्त्व बताएँगे।
स्वास्थ्य उत्तम बनाएँगे।
परिसर स्वच्छ बनाएँगे हम।।१।।
गीला कूड़ा अलग करेंगे।
सूखा कूड़ा अलग करेंगे।
कूड़ादान में उनको डालेंगे।
परिसर स्वच्छ बनाएँगे हम।।२।।
बहुत–से पेड़ लगाएँगे हम।
उनको सींचेंगे प्रेम से हम।
सुंदर बगीचे खिलाएँगे हम।
परिसर स्वच्छ बनाएँगे हम।।३।।

परिसर को स्वच्छ रखेंगे
धरती को नंदनवन बनाएँगे

◆ समूहगीत ताल–सुर में कहलवाएँ।

३.३ सुरों का परिचय

१

सा रे ग म प ध नी सां

सां नी ध प म ग रे सा

२

सासा रेरे गग मम पप धध नीनी सांसां

सांसां नीनी धध पप मम गग रेरे सासा

◆ स्वरगीत को ताल-सुर में कहलवाएँ।

4U4CYY